ज्योति-विहग

[सौन्दर्घ्य श्रौर संस्कृति के कवि पन्त]

परिदर्शक श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी



प्रकाशक **हिन्दी-**साहित्य-सम्मे<mark>खन, प्रयाग</mark> _{सम्बत् २००८}